www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 222 | जौनपुर गुरूवार, 02 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

तेलंगाना ने केंद्र से ऑटो एलपीजी की तत्काल अतिरिक्त आपूर्ति की मांग की

हैदराबाद, (एजेंसी)। तेलंगाना सरकार ने मंगलवार को केंद्र से राज्य में ऑटो एलपीजी की तत्काल अतिरिक्त आपूर्ति का अनुरोध किया ताकि दैनिक कमी को दूर किया जा सके। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने मंगलवार को केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर बताया कि राज्य में वर्तमान में प्रतिदिन 55 मीट्रिक टन एलपीजी की कमी है। राज्य सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल) के आउटलेट्स पर ऑटो एलपीजी की उपलब्धता बढ़ाने का आह्वान किया।रेड्डी ने कहा कि राज्य में ऑटो एलपीजी क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उन्होंने लिखा कि इससे राज्य में एलपीजी पर चलने वाले लगभग एक लाख ऑटो रिक्शा प्रभावित हुए हैं, जिससे सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हुई हैं और ऑटो चालकों और उनके परिवारों की आजीविका पर असर पड़ा है। उन्होंने पुरी से आग्रह किया कि वे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को तत्काल निर्देश जारी करें कि वे ऑटो एलपीजी वितरण में लगी निजी संस्थाओं को एलपीजी की कमी को पूरा करके निजी विपणन कंपनियों का समर्थन करें।उन्होंने बताया कि निजी पंपों पर कीमतें बढ़कर 93 रुपए प्रति लीटर हो गई हैं, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के स्टेशनों पर यह 75 रुपए प्रति लीटर है। उन्होंने संकट के दौरान निजी संस्थाओं द्वारा अनुचित मूल्य वृद्धि को रोकने के लिए नियामक उपायों की मांग की।

कोऑपरेटिव सॉफ्टवेयर डील पर केरल के सीएम और मंत्री माफी मांगें – रमेश चेन्निथला

कोच्चि, (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक रमेश चेन्निथला ने मंगलवार को केरल के सीएम पिनाराई विजयन और राज्य के सहकारिता मंत्री वी. एन. वासावन से माफी की मांग की है। यह मांग केरल उच्च न्यायालय द्वारा सहकारी क्षेत्र में प्रस्तावित सॉफ्टवेयर डील से जुड़ी कार्यवाही पर रोक लगाए जाने के बाद उठी है। चेन्निथला ने कहा कि अदालत का यह हस्तक्षेप प्रथम दृष्टया इस परियोजना में भ्रष्टाचार के आरोपों को सही ठहराता है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार इस ठेके को दिनेश बीड़ी सहकारी समिति को देने की कोशिश कर रही थी, जबकि उसकी बोली काफी महंगी थी।चेन्निथला ने कहा कि जब उन्होंने पहली बार इस मुद्दे को उठाया था, तब मुख्यमंत्री विजयन ने उनका मजाक उड़ाया था और इस डील को राज्य के लिए फायदेमंद बताया था, जबकि मंत्री वासवन ने आरोपों को खारिज कर दिया था। चेन्निथला ने कहा, "अब दोनों (विजयन और वासवन) को चुनाव के दौरान जनता को गुमराह करने के लिए केरल की जनता से माफी मांगनी चाहिए।" टेंडर प्रक्रिया का विवरण देते हुए उन्होंने बताया कि राज्य की 1,612 सहकारी समितियों की 4,415 शाखाओं में सॉफ्टवेयर लगाने के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई थीं।

राज्य की पहचान और सुरक्षा से किया खिलवाड़ : पीएम मोदी

असम, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को असम के बिस्वनाथ जिला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वर्षों तक सत्ता के लिए असम की आत्मा, शान, पहचान और सुरक्षा से खिलवाड़ किया। प्रधानमंत्री ने आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का दावा करते हुए कहा कि राज्य में तीसरी बार 'डबल इंजन सरकार' बनेगी। उन्होंने कहा कि यह भरोसा पिछले वर्षों में हुए विकास कार्यों पर आधारित है। पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने वोट बैंक के लिए अवैध घुसपैठियों को बढ़ावा दिया और जमीन पर अवैध कब्जों को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि इससे असम की लाखों बीघा जमीन

प्रभावित हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस विकास विरोधी पार्टी है और आजाद भारत में भ्रष्टाचार की जननी रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने असम के जंगलों, अभयारण्यों और वन्यजीवों को भी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने भूपेन हजारिका का जिक्र करते हुए कहा कि असम की जनता उनके अपमान को नहीं भूली है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उन्हें भारत रत्न देकर सम्मानित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित असम के निर्माण में बेहतर सड़कों, पुलों और रेल कनेक्टिविटी की अहम भूमिका है। इससे खेती, उद्योग और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। पीएम मोदी ने बताया कि ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे सड़क और रेल सुरंग बनाई जा रही है, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम कच्चे तेल के उत्पादन में नए रिकॉर्ड बना रहा है और पेट्रोल, डीजल व गैस उत्पादन बढ़ रहा है। इससे देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 'टाइड्स ऑफ टाइम' पुस्तक का विमोचन किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को यहां संविधान सदन में राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति द्वारा लिखित पुस्तक 'टाइड्स ऑफ टाइमरू संसद में भित्तिचित्रों के माध्यम से भारत का इतिहास' का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने संसद में बने भित्ति चित्रों को भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत का जीवंत प्रतिबिंब बताया और भारत को "लोकतंत्र की जननी" कहा। उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन ने कहा कि संविधान सदन में स्थापित भित्ति चित्र केवल कला कृतियां नहीं हैं, बल्कि वे भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत यात्रा को दर्शाने वाली दृश्य कथाएं हैं। उन्होंने लेखिका सुधा मूर्ति की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इन चित्रों की "कालातीत सुंदरता और गहरे प्रतीकवाद" को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया है, जिससे इतिहास को नई पीढ़ियों के करीब लाने में मदद मिलेगी। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत में लोकतांत्रिक परंपराएं प्राचीन काल से ही निरंतर, समावेशी और समाज की जड़ों में गहराई तक समाई रही हैं। उन्होंने वैशाली से लेकर दक्षिण भारत की कुदावोलै प्रणाली तक के उदाहरण देते हुए कहा कि संवाद, सहमति और विविध विचारों के सम्मान की परंपरा भारत को "लोकतंत्र की जननी" बनाती है। उन्होंने तमिल कवि सुब्रमण्यम भारती का उल्लेख करते हुए भारत की ज्ञान, उदारता और सांस्कृतिक समृद्धि की प्रशंसा की और कहा कि यही आधार देश में समावेशिता और सभी विचारों के सम्मान को मजबूती देता है।

योगी सरकार ने मुआवजा प्रक्रिया तेज करने के दिए निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री ने असमय बारिश से फसलों को हुए नुकसान पर जिलाधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए और किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाए। सीएम योगी ने अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने को कहा और स्पष्ट किया कि मौसम की मार झेल रहे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनियां मिलकर फसल नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वे करें। इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी जाए, ताकि प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा मिल सके। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और सुनिश्चित करें कि किसानों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। साथ ही फील्ड में जाकर वास्तविक स्थिति का आकलन करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव (कृषि) और राहत आयुक्त को निर्देश दिया कि वे फील्ड अधिकारियों के साथ सीधा संपर्क बनाए रखें और सभी सूचनाएं समय पर एकत्र कर शासन तक पहुंचाएं, जिससे राहत कार्यों में तेजी लाई जा सके। सीएम योगी ने कहा कि जैसे ही फसल नुकसान का आकलन पूरा हो, मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए।

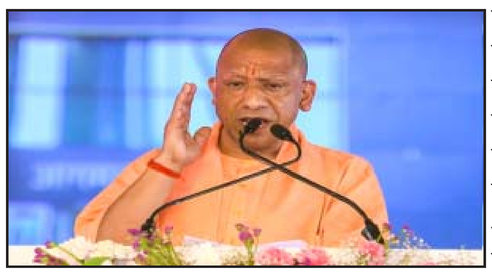

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों से जुड़े संशोधन विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 को अपनी औपचारिक मंजूरी दे दी है। इस नए कानून का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शारीरिक क्षति पहुंचाने वाले अपराधियों के लिए क्रमिक दंड का प्रावधान करना है। कानून मंत्रालय ने 30 मार्च को इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। विपक्षी सांसदों ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें समलैंगिक पुरुषों (गे) और समलैंगिक महिलाओं (लेस्बियन) को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। विधेयक में यह निर्धारित करने के लिए एक प्राधिकरण के गठन का प्रावधान किया गया है कि कोई व्यक्ति ट्रांसजेंडर है या नहीं। इस प्रावधान को लेकर भी विपक्ष ने आपत्ति जताई है। कानून मंत्रालय की 30 मार्च की अधिसूचना के अनुसार, संशोधित कानून केंद्र सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचना जारी कर निर्धारित की गई तिथि से लागू होगा। संसद के दोनों सदनों में हुई बहस के दौरान सरकार ने कहा कि विधेयक का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की सुरक्षा करना है, जबकि विपक्ष ने आरोप लगाया कि यह प्रस्तावित कानून आत्म–पहचान के अधिकार को सीमित करता है। विपक्ष ने विधेयक को व्यापक विचार–विमर्श के लिए स्थायी समिति को भेजने की मांग भी की। विधेयक में "ट्रांसजेंडर" शब्द की स्पष्ट परिदेने और "विभिन्न यौन अभिविन्यास तथा स्व–परिकल्पित लैंगिक पहचान" को इसके दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव है। विधेयक में कहा गया है कि ट्रांसजेंडर व्यक्ति में "विभिन्न यौन अभिविन्यास और स्व–परिकल्पित लैंगिक पहचान वाले व्यक्तियों को न तो शामिल किया जाएगा और न ही कभी शामिल किया गया है।" इसमें कहा गया है ।

आठवें वेतन आयोग के सदस्य मुख्य मुद्दों पर सरकारी कर्मचारियों से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आठवें वेतन आयोग प्रस्तावित वेतन वृद्धि से जुड़े मुख्य मुद्दों पर बातचीत के लिए जल्द सरकारी कर्मचारियों और वेतनभोगियों से मुलाकात करेगा। 24 अप्रैल को देहरादून में एक महत्वपूर्ण बैठक निर्धारित है, जिसमें कर्मचारी संघों, पेंशनभोगी संघों और अन्य पक्षकारों के प्रतिनिधि वेतन संरचना, भत्ते और पेंशन संबंधी मुद्दों पर अपने विचार 8वें वेतन आयोग के सदस्यों के सामने रखेंगे। आयोग के सदस्य कर्मचारियों और वेतनभोगियों की समस्याओं को बेहतर ढंग से समझने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों का दौरा करेंगे और इसी तरह की बैठकें आयोजित करेंगे। इन बैठकों से प्राप्त प्रतिक्रिया के आधार पर आयोग यह तय करेगा कि भविष्य में वेतन, पेंशन और लाभों में कितना संशोधन किया जाना चाहिए। आयोग ने कहा कि यदि कोई समूह अपने विचार साझा करना चाहता है, तो उन्हें मिलने के लिए पहले समय का अनुरोध करना होगा। 30 मार्च को जारी नोटिस में लिखा था, "आठवें वेतन आयोग का एक दल 24 अप्रैल को देहरादून, उत्तराखंड का दौरा करेगा। केंद्र सरकार के संगठनोंध संस्थानों और संघोंध्संगठनों सहित इच्छुक पक्षकार, जो देहरादून में आयोग के साथ बातचीत करना चाहते हैं।

जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने का लगाया आरोप : खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने बुधवार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह तबाह कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जहां आम नागरिक राहत की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं भाजपा सरकार जनता को लूटने और देश को संकट में झोंकने में लगी हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, मोदी सरकार ने देश की रणनीतिक और आर्थिक नीतियों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है, जिसका सीधा असर अब 140 करोड़ भारतीयों को भुगतना पड़ रहा है। खरगे ने कहा कि आज से कई रोजमर्रा की जरूरी चीजों के दाम बढ़ने जा रहे हैं, जिससे आम जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

प्रबंधक रमेश चंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में लगातार बुलंदियो को छूता और ग्रामीण शिक्षा का प्रकाश स्तंभ बन रहा है मॉडर्न ग्रुप आफ स्कूल बाजार

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। शिक्षा को समाज का मूल स्तंभ माना जाता है,और इसे सशक्त बनाने के उद्देश्य से 2 सितंबर 1980 को मॉडर्न बेबी नर्सरी स्कूल समिति की स्थापना निदेशक रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने किया।छोटे से छप्पर मे स्थापित यह संस्था ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के माध्यम से विकास का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।आज यहां पर नर्सरी से लेकर इंटर तक यूपी बोर्ड से कक्षाएं संचालित हो रही है वही नर्सरी से लेकर इंटर तक सीबीएसई बोर्ड से कक्षाएं संचालित हो रही हैं जबकि आईटीआई तथा अन्य व्यावसायिक शिक्षा भी यहां पर बच्चे ले रहे हैं। प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव द्वारा स्थापित इस समिति का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुलभ बनाना था।और ग्रामीण क्षेत्र से मेधावी छात्रों को बाहर निकाल कर विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर पहुंचाना मुख्य उद्देश्य रहा और आज यह उद्देश्य पूरा भी होता जा रहा है।क्योंकि उस समय ग्रामीण क्षेत्रों में ना तो पढ़ने के इतनी संसाधन थी और ना ही कोई संस्था थी।जिसे देखकर इस संस्था के प्रबंधक रमेश श्रीवास्तव में प्रण किया कि हमें इस संस्था को आगे बढ़ाना है और यहां से मेधावी को निकाल कर देश–विदेश में ख्याति भी प्राप्त करनी है।बताया कि समिति का विजन रहा कि ग्रामीण समुदाय के सर्वांगीण विकास में अग्रणी भूमिका निभाना।साथ ही, यह संस्था स्थायी विकास, स्वास्थ्य, कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देती है। देखा जाए तो मॉडर्न ग्रुप आफ जाना बाजार शैक्षिक प्रयोगशालाएँ, डिजिटल साक्षरता और व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए अयोध्या के युवाओं और किशोरियों के लिए दो शैक्षिक प्रयोगशालाएँ स्थापित की हैं।वही एस.डी. मेमोरियल प्लेवे स्कूल,जो समिति से संबद्ध है, को अयोध्या में चौथा सर्वश्रेष्ठ स्कूल का खिताब दिया गया।समिति श्स्वच्छ हारदोई, स्वस्थ हारदोईश और श्सेफ स्ट्रीट्स, सेफ लाइव्सश जैसे अभियानों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता फैलाने में सक्रिय है।समिति ने आधुनिक प्रबंधन प्रणालियों को अपनाते हुए शिक्षकों की उपस्थिति, फीस प्रबंधन और वित्तीय प्रबंधन के लिए ऐप–आधारित प्रणाली लागू की है। इसके अतिरिक्त, समिति ने एफसीआरए खाता खोलने का प्रस्ताव पारित किया।ताकि अंतरराष्ट्रीय सहयोग से परियोजनाओं को और मजबूती प्रदान की जा सके।समिति आने वाले वर्षों में महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवाओं और कौशल विकास पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है।इसके अलावा,फाउंडेशन जैसे सहयोगियों के साथ मिलकर डिजिटल शिक्षा को गाँव–गाँव तक पहुँचाने की कोशिश की जा रही है।मॉडर्न बेबी नर्सरी स्कूल समिति ग्रामीण भारत में शिक्षा और विकास का एक अनुकरणीय मॉडल है।यह संस्था यह साबित करती है कि यदि सही नीयत और समर्पण हो।खास मुलाकात में ग्रुप के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्य उद्देश्य था कि ग्रामीण ग्रामीण प्रवेश से अधिक से अधिक ऐसे गरीब बच्चों को जिनकी पढ़ाई संसाधन के अभाव में नहीं हो पाता था। और वह अपने उद्देश्य से वंचित रह जाते थे उन्हीं के उद्देश्य को पूरा करने के लिए आज मॉडर्न ग्रुप आफ स्कूल उनके सपनों को पूरा कर रहा है जिसका नतीजा यह रहा है कि आज ग्रामीण अंचलों से इस स्कूल से शिक्षा ग्रहण कर निकलने वाले दर्जनों पूर्व छात्र आईएएस, आईपीएस,आईएएस, पीसीएस, पीपीएस, नासा, इसरो, शिक्षा, विज्ञान,चिकित्सा,इंजीनियर, पत्रकारिता जैसे और अन्य महत्वपूर्ण जगहों पर देश के कोने–कोने मे पदों पर आसीन होकर मॉडर्न ग्रुप आफ स्कूल जाना बाजार,अपने समाज का और माता–पिता का नाम रोशन कर रहे हैं।उन्होंने बताया उनके इस उद्देश्य में सत्य देव श्रीवास्तव, उप प्रबंधक आशीष रंजन श्रीवास्तव,स्कूल के प्रधानाचार्य कौशल कुमार सिन्हा का विशेष सहयोग रहा है।

स्मार्ट मीटर से बिलिंग में पारदर्शिता, बिजली खपत का सही डेटा व बकाया की समय रहते करे पेमेंट – मुख्य अभियंता

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। स्मार्ट मीटर लगने से बिजली उपभोक्ताओं को घबराने की कोई जरूरत नहीं है पाल की इससे बिजली उपभोक्ता मोबाइल के माध्यम से कितना विद्युत उपभोग किया है कितना बिल बकाया है इस सब का पता समय रहते आसानी से लगेगा मोबाइल से विद्युत उपभोक्ता अपने बिल का समय रहते भुगतान भी कर सकेंगे इस बात की जानकारी मुख्य अभियंता विद्युत वितरण अयोध्या इंजीनियर ब्रजेश कुमार ने खास मुलाकात में कहीं उन्होंने बताया की इससे जहां विद्युत उपभोक्ताओं को काफी लाभ मिलेगा।वही विद्युत चोरी करने वाले लोगों पर शिकंजा भी कसा जाएगा।बताया कि स्मार्ट मीटर के लगने से बिजली बिल की जाँच करने का नया तरीका अपना सकेंगे।आपके घर में कितनी बिजली खपत हो रही है, ये जानने के लिए स्मार्ट मीटर एक शानदार तरीका है।आपके बिजली बिल में पारदर्शिता लाने के लिए सरकार ने इसे लागू किया है।बताया कि स्मार्ट मीटर के कई लाभ है।जिसमे खासकर बिलिंग में पारदर्शिता व आपकी बिजली खपत का सही डेटा मिलेगा।वही बिजली चोरी रोकता है।गलत बिलिंग की समस्या दूर होती है।आपकी बिजली खपत को आप रियल–टाइम में देख सकते हैं।खपत को मॉनिटर करके बिजली बचाई जा सकती है।बिलिंग की समस्या नहीं होगी,सब कुछ ऑटोमेटिक होगा। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में सभी विद्युत उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर लगाना ही पड़ेगा उपभोग विद्युत उपभोक्ताओं से अपील किया कि सभी उपभोक्ता स्मार्ट मीटर को लगे और इसके लगवाने से उनका फायदा है। बताया कि अयोध्या जोन में अयोध्या अंबेडकर नगर बाराबंकी सुल्तानपुर अमेठी में कुल 5 लाख 30000 विद्युत उपभोक्ता है जिसके सापेक्ष 3 लाख 25000 विद्युत उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगा हुआ है। जिसमें अयोध्या जनपद में 5 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के सापेक्ष एक लाख 5000 से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगा है। बताया कि 13 मार्च से 28 मार्च के बीच अयोध्या जोन में 55000 विद्युत उपभोक्ताओं का लगभग 40 करोड रुपए बकाया रहा।जिसके सापेक्ष स्मार्ट मीटर के माध्यम से 75: की वसूली की गई वहीं मीटर के साथ छेड़खानी करने वाले 38 विद्युत उपभोक्ताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराया गया।

संपादकीय

हर क्षेत्र में निर्यात गिरा

इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को छोड़ दें, तो बाकी लगभग हर क्षेत्र में निर्यात गिरा है। ऐसे में उत्पादन संबंधी हालात का गंभीर होना लाजिमी है। फरवरी में युवा बेरोजगारी की दर चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गई। फरवरी में भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में लगभग दो गुना हो गया। जनवरी से तुलना करें, तो व्यापार घाटे में लगभग सात बिलियन डॉलर गिरावट आई, मगर ऐसा निर्यात के साथ–साथ आयात में भी बड़ी गिरावट के कारण हुआ। जिन देशों में भारतीय वस्तुओं की मांग गिरी, उनमें अमेरिका भी है। यानी रूसी तेल आयात संबंधी टैरिफ हटाने और तथाकथित जैसे को तैसा आयात शुल्क 25 से 18 प्रतिशत करने के ट्रंप प्रशासन के फैसले से भारतीय कारोबार को कोई राहत नहीं मिली। ऐसा संभवतरू इसलिए हुआ कि अन्य देशों को मिली राहत ने उनके उत्पादों को भारतीय वस्तुओं की तुलना में अधिक सस्ता बना दिया है। तो जनवरी की तुलना में फरवरी में अमेरिका के लिए भारतीय निर्यात 12.9 प्रतिशत गिर गया। दरअसल, चीन को छोड़कर तमाम महत्त्वपूर्ण बाजारों के लिए भारतीय निर्यात में गिरावट आई। सिर्फ चीन के लिए भारतीय निर्यात 32.4 प्रतिशत बढ़ा, मगर वहां से आयात भी 30.5 फीसदी बढ़ गया। इस तरह चीन से पहले जारी भारी व्यापार घाटे को पाटने में ज्यादा मदद नहीं मिली। पिछले अप्रैल से इस वर्ष फरवरी तक चीन से व्यापार घाटा 102 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है, जबकि इसके पहले के वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 99 बिलियन डॉलर था। तो कुल मिलाकर विदेश व्यापार में भारत की चिंता बढ़ती जा रही है। इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को छोड़ दें, तो बाकी लगभग हर क्षेत्र में निर्यात गिर रहा है। स्विट्जरलैंड, यूएई आदि जैसे जिन देशों से मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं, उनसे व्यापार घाटा और बढ़ा है। ऐसे में देश के अंदर उत्पादन की स्थितियों का गंभीर होना लाजिमी है। फरवरी में युवा बेरोजगारी की दर चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गई, जबकि सरकारी परिभाषा में जिस युवा को हफ्ते में घंटे भर का भी काम मिल जाए, उसे बेरोजगार नहीं माना जाता। ऐसे में असल बेरोजगारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, ज्यादातर हालिया आर्थिक आंकड़े बढ़ रही मुसीबत का संकेत दे रहे हैं। ये आंकड़े गुलाबी सूरत के सरकारी कथानक में लगातार छिद्र कर रहे हैं।

गरीब देश से मोदी ने गैस भंडार की कौन सी डील कर ली

अभिनय

ईरान अमेरिका जंग शांत होने की जगह आग पकड़ती जा रही है। पूरी दुनिया में इस वक्त दो समुद्री ट्रेड रूट्स को लेकर बवाल मचा है। स्टेट ऑफ होर्मूज के पास चल रही जंग से दुनिया पहले ही परेशान थी। लेकिन ईरान के समर्थन में यमन के हूती विद्रोहियों ने भी जंग में कदम रख दिया है। जिसकी वजह से रेड सी में मौजूद बाब अल मंदेव स्ट्रेट के बंद होने का खतरा भी पैदा हो गया है। आपको बता दें कि बाब अल मदेब स्ट्रेट बंद हो गया तो पूरा यूरोप बर्बाद हो सकता है। यह शिपिंग लिंक ही एशिया को यूरोप से जोड़ता है। बाब अल मंदेब स्टेट भारत के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि रूस से आने वाला ज्यादातर तेल यहीं से भारत पहुंचता है। लेकिन जिस वक्त इन दोनों समुद्री रास्तों को लेकर दुनिया दहशत में है। ठीक उसी वक्त भारत ने एक ऐसा रणनीतिक और कूटनीतिक दांव खेल दिया है जिसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। भारत अफ्रीका के एक गरीब मगर नेचुरल रिसोर्सेज से भरे देश में ऐसा खेल कर आया है जिसके बारे में एक–एक भारतीय को पता होना चाहिए। भारत ने एक तरफ तो एलपीजी और पेट्रोल की सप्लाई को जारी रखने का शानदार जुगाड़ ढूंढ लिया है। लेकिन इसी के साथ भारत ने दो बेहतरीन ट्रेड रूट्स भी तैयार कर लिए हैं। सबसे पहले जानते हैं कि भारत अब किस नए रूट से एलपीजी गैस ला रहा है। भारत ने एलपीजी गैस के लिए अफ्रीका महाद्वीप में एक नया कतर ढूंढ लिया है। भारत की सरकारी कंपनियां अफ्रीकी देश अंगोला की सरकारी कंपनी सुनानगोल से एलपीजी इंपोर्ट्स शुरू करने जा रही है। अंगोला अफ्रीका का एक गरीब देश जरूर है लेकिन इस देश के पास 11 ट्रिलियन क्यूबिक फीट नेचुरल गैस के भंडार हैं। भारत पहले से ही अंगोला के साथ थोड़ा बहुत गैस और तेल व्यापार करता रहा है। जिससे दोनों देशों के बीच कनेक्शन बना रहे। अब यही कनेक्शन भारत के काम आ रहा है। भारत का 90: एलपीजी आयात ठप होने की कगार पर है। दिल्ली के गलियारों में हलचल तेज हो गई है। पीएम मोदी खुद मोर्चा संभाले हुए हैं। स्थिति कंट्रोल में रहे उसके लिए लगातार मोदी सरकार काम कर रही है। तमाम देशों से बातचीत चल रही है। पर्दे के पीछे ईरान से बातचीत कर हॉर्मूज से धीरे–धीरे गेट खुलवाकर भारत के जहाज निकलवाए जा रहे हैं। लेकिन क्या तीन से चार चार से पांच जहाजों का आना काफी है? बिल्कुल नहीं। वहीं दूसरी तरफ युद्ध थमता नजर नहीं दिख रहा है बल्कि और भी भयानक होता जा रहा है। अब सवाल यह है कि क्या भारत के करोड़ों घरों के चूल्हे ठंडे पड़ जाएंगे या फिर भारत ने इस संकट का कोई ऐसा मास्टर प्लान तैयार कर लिया है जो दुनिया को हैरान करे। क्योंकि अब भारत की नजरें खाड़ी देशों से हटकर एक नए और अनजान दोस्त पर आकर टिक गई है। दरअसल जब हॉर्मूज के दरवाजे बंद हुए तो भारत ने अपने पुराने दोस्तों और नए रास्तों की ओर हाथ बढ़ाना शुरू कर दिया। भारत ने अर्जेंटीना से लेकर अमेरिका और नॉर्वे से लेकर रूस तक से गैस मंगानी शुरू कर दिया। लेकिन इसमें दूरी और समय बहुत बड़ी चुनौती है। अमेरिका से गैस आने में हफ्तों लग जाते हैं। जब देश में मांग चरम पर है। इतनी दूरी से आने वाली सप्लाई ऊंट के मुंह में जीरे जैसा सामान है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक और चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक है। तो ऐसे में सरकार की पूरी मशीनरी इस कोशिश में जुटी है कि किसी भी कीमत पर सप्लाई चेन टूटने ना पाए। कतर और सऊदी अरब जैसे पारंपरिक ठिकानों से संपर्क कटने के बाद भारत की तेल कंपनियां इंडियन ऑयल, बीपीसीएल, एचपीसीएल और गेल अब ग्लोबल मार्केट में एक ऐसे पार्टनर की तलाश कर रही हैं जो संकट के

इस समय में भारत की ढाल बन सके। और यहीं से शुरू होता है एक नया अध्याय। एक ऐसा नाम जो अब तक सिर्फ तेल और हीरों के लिए जाना जाता था। लेकिन अब वो भारत की रसोई का रखरखाव करने जा रहा है। इस पूरे संकट के बीच एंट्री हुई है अफ्रीका के दिग्गज देश अंगोला की। जी हां, वही अंगोला जो नाइजीरिया के बाद अफ्रीका का सबसे बड़ा तेल निर्यातक है। भारतीय ऊर्जा कंपनियां अब अंगोला की सरकारी कंपनी सोनान गोल के साथ हाई लेवल बातचीत कर रही हैं। और यह डील साधारण नहीं होगी। अगर यह बातचीत सफल हो जाती है तो अंगोला भारत को कुकिंग गैस सप्लाई करने वाला पहला मध्य अफ्रीकी देश बन जाएगा। लेकिन अंगोला ही क्यों? इसका जवाब छिपा है भूगोल और गणित। एक्सपर्ट का मानना है उत्तरी अमेरिका के मुकाबले अंगोला से भारत तक गैस पहुंचने में 10 से 15 दिन कम लगेंगे। यह 15 दिन भारत के लिए किसी वरदान से कम नहीं होंगे। अंगोला के पास 4.6 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस का विशाल भंडार है। आपको जानकर हैरानी होगी कि वित्त वर्ष 2025 में अंगोला ने भारत को पहले ही 924 मिलियन की एलएजी सप्लाई की है। अब इसी दोस्ती को एलपीजी तक ले जाने की तैयारी है। यह सिर्फ एक बिजनेस रील नहीं है बल्कि एक कूटनीतिक जीत है। जहां एक तरफ हॉर्मूज में बारूद बरस रहा है। हॉर्मूज का रास्ता बंद पड़ा है। तो वहीं दूसरी तरफ भारत ने हजारों मील दूर अफ्रीका में अपनी ऊर्जा सुरक्षा का नया किला तैयार कर लिया है। 8000 किमी की दूरी है हवाई। तो सोचिए कितना डिस्टेंस पड़ रहा है। भारत और अंगोला का रिश्ता आज का नहीं है। इसकी जड़े 1985 में जमी थी। आज अंगोला में करीब 8000 भारतीय वहां की अर्थव्यवस्था की रीड बने हुए हैं। चाहे वो रिटेल हो, खेती हो या हॉस्पिटिलिटी। भारत आज अंगोला का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों के बीच 4.2 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार भी होता है। हम उनसे सिर्फ गैस ही नहीं ले रहे हैं बल्कि हम उन्हें डिफेंस दवाएं कृषि तकनीक भी दे रहे हैं। हम साथ मिलकर अंतरिक्ष और माइनिंग के क्षेत्र में इतिहास रचने जा रहे हैं। हालात तो यही बता रहे हैं कि अब भारत में स्थिति नॉर्मल हो जाएगी। हालांकि नॉर्मल स्थिति करने के लिए मोदी सरकार लगातार काम कर रही है। लोगों तक सप्लाई भी पहुंचा रही है। लेकिन संकट खड़ा ना हो। यही वजह है कि मोदी सरकार की डायवर्सिफिकेशन की नीति रंग ला रही है क्योंकि हॉरमूज बंद होने से भारत पर जो संकट खड़ा हो सकता है अंगोला उसका मरहम बनता दिख रहा है। भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि संकट कितना भी बड़ा क्यों ना हो अगर हौसला और विजन सही हो तो रास्ते समंदर के बीच से ही निकल आते हैं।

आंसुओं के दरवाजे पर बैठा ईरान का गब्बर, इस तुरुप के इक्के से घबरा गया अमेरिका

अभिनय

साल 1987 का दौर जब ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति नहीं बल्कि एक अमीर बिजनेसमैन हुआ करते थे। उस दौरान वो ईरान पर हमले की बात करते नजर आए। ट्रंप ने कहा कि हमें ईरान पर हमला करके उनके ऑयल रिजर्व्स पर कब्जा करना चाहिए। जब इंटरव्यू कर रही महिला पत्रकार उनसे पूछती हैं कि आप ये करेंगे कैसे? क्या सीधा हमला होगा? इस पर ट्रंप कहते हैं हां हमला होगा। मिडिल ईस्ट में एक जंग छिड़ेगी और अमेरिका को ना केवल ईरान के ऑयल रिजर्व पर कब्जा करना है बल्कि उस कब्जे को बनाकर भी रखना है ताकि उससे वसूली किया जा सके। उस नुकसान की वसूली जो ईरान ने अमेरिका का किया। यानी इससे साफ होता है कि ट्रंप के दिल में ईरान पर चढ़ाई का विचार हमेशा से था। अब जब वो राष्ट्रपति बन गए हैं तो जैसा पैसा आने पर आदमी बचपन के सपने पूरे करने की कोशिश करता है। गैर जरूरी चीजें भी खरीदता है कि बचपन में नहीं ले पाया अब खरीदूंगा पैसा है। वैसे ही ट्रंप भी ट्राई कर रहे हैं क्योंकि अब पावर है। ट्रंप की दिक्कतें भी बढ़ रही हैं। बेंजामिन नेतन्याहू के अलावा कोई साथ आ नहीं रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा कि ट्रंप से पूछेंगे कि ऑब्जेक्टिव क्या है? कारण जाने बिना ऑस्ट्रेलिया हाथ नहीं जलाना चाहता। यही काम नेटो ने भी ट्रंप के साथ किया है। सीधे मना करने की हिम्मत उनमें नहीं है। लेकिन वो भी फिगर आउट ही कर रहे हैं कि ट्रंप करना क्या चाहते हैं। तो एक तरफ ट्रंप की टीम में कोई आ नहीं रहा और दूसरी तरफ ईरान की टीम में उस खिलाड़ी की एंट्री हो चुकी है जिसका ईरान को इंतजार था। 29 मार्च को यमन की हूती सरकार जंग में शरीक हो गई। उसने इजराइल पर मिसाइलें दागना शुरू कर दिया। 29 मार्च को इस सरकार के प्रवक्ता याया सरी ने जंग में आधिकारिक तौर पर शामिल होने की घोषणा की। यह भी बताया कि उन्होंने इजराइल पर क्रूज मिसाइल से हमला किया है और आने वाले दिनों में हमले जारी रहेंगे। हूती यमन के अल्पसंख्यक शिया समुदाय जदी के हथियारबंद लड़ाके का एक गुट है। 1990 में यह गुट बना था। 2014 में हूतियों ने यमन की राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। जिसके बाद वहां की सरकार को देश छोड़कर भागना पड़ा। तब से यमन में गृह युद्ध जारी है। आज के समय में यमन के बड़े हिस्से में हूती विद्रोहियों का कब्जा है। इसमें मुख्य तौर पर पश्चिमी इलाके हैं। इन हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन हासिल है। ईरान इनके जरिए यमन में प्रॉक्सी वॉर भी लड़ता आया है। ईरान ने हूती विद्रोहियों की तरह पूरे पश्चिमी एशिया में ऐसे घुटों का एक नेटवर्क खड़ा कर रखा है। इसे एक्सेस ऑफ रेजिस्टेंस कहा जाता है। हूतियों के अलावा फिलिस्तीन का हमास और लेबनान का हिजबुल्ला इसमें शामिल है। ईरान की तरह ही इन तीनों गुटों का मुख्य दुश्मन इजराइल और अमेरिका है। अब इस वक्त इजराइल ने ईरान के साथ लिबनान में हिजबुल्ला के खिलाफ भी जंग झेल रखी है। लगातार उसके ठिकानों पर हमला कर रहा है। वहीं 7 अक्टूबर 2023 के हमले के बाद इजराइल ने हमास के खिलाफ जो मिलिट्री ऑपरेशन शुरू किया था, उसमें हमास की लगभग पूरी लीडरशिप को खत्म किया जा चुका है। गजा में उसके नेटवर्क को तबाह कर दिया गया था। इस दौरान इसराइल ने हूतियों को भी नुकसान पहुंचाया। उनके प्रधानमंत्री से लेकर चीफ ऑफ स्टाफ तक को खत्म कर दिया गया। लेकिन इजराइल हूतियों के प्रमुख अब्दुल मलिक अलूती को अब तक ढूंढ नहीं पाया है। ईरान अमेरिका के बीच 28 फरवरी से शुरू हुई जंग में अब तक हूती नहीं उतरे थे। ईरान ने खुद मोर्चा संभाल रखा था। उधर हिजबुल्ला और इजराइल भिड़े हुए हैं। लेकिन पहली बार 29 मार्च को इस जंग में हूतियों ने एंट्री मारी। इजराइल पर मिसाइलें और ड्रोन दागे। नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था पॉलिसी ऑफ अ स्टेट लाइफ इन इट्स ज्योग्राफी। यानी किसी राज्य की नीति उसकी ज्योग्राफी से तय होती है। ईरान के मामले में यह बात एकदम सटीक बैठती है। ईरान की मिलिट्री ताकत से कहीं ज्यादा है उसकी ज्योग्राफी की ताकत। यह बात उसने स्ट्रीट ऑफ हॉर्मोस को बंद करके साबित भी कर दी है। जहां उसने केवल कुछ माइंस और ड्रोंस के जरिए दुनिया के सबसे क्रिटिकल शिपिंग रूट को एक महीने से बंद कर रखा है। अब इसी ज्योग्राफी के कारण ईरान समर्थित हुती विद्रोही पूरी दुनिया पर इससे भी बड़ा संकट खड़ा कर सकते हैं। असली कहानी जो है इन मिसाइल से बहुत बड़ी है क्योंकि हूतियों के पास एक ऐसा हथियार है जो पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला सकता है। बाबल मंदप आंसुओं का दरवाजा। यह दुनिया का सबसे अहम ट्रेड रूट है। लाल सागर को हिंद महासागर से जोड़ता है। यूरोप से एशिया का वही शॉर्टकट है जिस पर सुएस कैनाल है इजिप्ट में। बाब अल–मंदब एक अरबी नाम है, जिसका मतलब होता है ”आंसुओं का दरवाजा”। यह एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग (स्ट्रेट) है, जो लाल सागर को अदन की खाड़ी और आगे हिंद महासागर से जोड़ता है। लगभग 100 किलोमीटर लंबा और 30 किलोमीटर चौड़ा यह जलमार्ग यमन को अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र के देशों जिबूती और इरिट्रिया से अलग करता है। एशिया से यूरोप जाने वाले जहाजों को स्वेज नहर तक पहुंचने के लिए इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है, इसलिए इसका रणनीतिक और आर्थिक महत्व बहुत अधिक है। दुनिया के कुल तेल और प्राकृतिक गैस के लगभग 10द12: शिपमेंट इसी मार्ग से गुजरते हैं। इसके अलावा, वैश्विक व्यापार का करीब 12: हिस्सा और स्वेज नहर से गुजरने वाले लगभग 40: कंटेनर ट्रैफिक भी इसी समुद्री रास्ते पर निर्भर करता है। इसी वजह से बाब अल–मंदब को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में गिना जाता है। हूतियों के पास यमन की सेना के वॉर रिजर्व्स का बड़ा हिस्सा है। इन्हीं के दम पर उन्होंने गजा पर इजराइली हमले के दौरान बाबल मंदिर में इंटरनेशनल शिपिंग को टारगेट किया था। तब रास्ता पूरी तरह बंद बिल्कुल नहीं हुआ था। लेकिन ढेर सारा ट्रैफिक अफ्रीका घूम कर जा रहा था।

पाक की हांडी में सुलह की खिचड़ी

डॉ. सुधीर सक्सेना

अपनी सामरिक गणित के फेल हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यपूर्व के दिनोंदिन पेचीदा और विकराल होते जाते बखेड़े से पाँव बाहर खींचने के फेर में हैं। दिलचस्प तौर पर इसके लिये उन्होंने अपने पित्रॠ पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष असीम मुनीर को चुना है और फिलहाल इस्लामाबाद में दोनों जंगजू पक्षों के दरम्यां सुलह की बातचीत चल रही है। इस्लामाबाद में चूल्हे पर हांडी चढ़ा दी गई है। बिला शक अमेरिका किसी भी विधि इस तरह पाँव पीछे खींचना चाहता है कि उसकी नाक बची रहे और उसके शर्मनाक और अपमानजनक अभियानों की फेहरिस्त में वियेतनाम और अफगानिस्तान के बाद ईरान का नाम न जुड़े। ट्रंप के पांच दिनों के इकतरफा युद्धविराम और ईरानी ठिकाने पर ताजा हमले के लिये इस्रायल को डंपटने के पीछे यही भेद छिपा है। इस बात में शक नहीं है कि ट्रंप अपने ही खब्त की गिरफ्त में हैं। वह कब क्या कर बैठेगें, वह खुद नहीं जानते। उनके मन में वैश्विक मर्यादाओं और राष्ट्रों की संप्रुभता के प्रति कोई सम्मान नहीं है। निस्संदेह, उनकी मुहिम गैरजरूरी थी और नितांत विफल रही है। 28 फरवरी को छेड़ी गई इस मुहिम के पहले ही दौर में धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनेई को उनकी मांद में मार गिराने तक सब ठीक था, लेकिन उसके बाद ट्रंप के सारे पांसे और अंदाजे गलत निकले। मोज्तबा खामेनेई पर वार और लारीजानी की हत्या व्हाइट हाउस की श्भूल गलतीश सिद्ध हुई। विज्ञान में स्नातक और इमैनुएल कांट के दर्शन पर पीएचडी किये लारीजानी सूझबूझ भरे ऐसे परिपक्व और प्रभावशाली नेता थे, जिनसे बातचीत की जा सकती थी, लेकिन उनकी हत्या के बाद नेतृत्व इस्लामी गार्डों की उस छितरी हुई टोली के हाथ में चला गया, जिसमें कोई ऐसा चेहरा नहीं था, जिसका सैन्य बल और अवाम में रसूख हैं। इस बीच ईरान ने अड़ोस–पड़ोस के अमेरिकी पित्रॠओं बहरीन, सऊदी, अरब, अरब अमीरात, कतर और ओमान तथा सुदूर दियागोगार्सिया में अड्डों पर प्रहार कर अपनी अचूक मारक क्षमता का बखूबी एहसास करा दिया। दूसरे इस्रायल के आयरन–डोम यानि लौह गुंबद या छतरी का बहुप्रचारित और गालबजाऊ मिथ भ्रांति सिद्ध हुआ। मध्यपूर्व के मुल्कों के निर्लवण–संयंत्र ईरान की सीधी जद में थे और होर्मुज जलडमरूमध्य का तुरूप का पत्ता ईरान की जेब में। तीन हफ्ता से ज्यादा की जंग ने तस्दीक कर दी थी कि ईरान घुटने नहीं टेकेगा और उसे तबाही गवारा है, मगर शिकस्त नहीं। यह भी साफ हो गया कि न तो कोई ईरानी श्गुल्लूश बनने को तैयार है और न ही आर्य मेहर रजाशाह पहलवी के साहेबजादे की तेहरान वापसी में ईरान अवाम की कोई रूचि है। उलटे जियोनवादी आक्रमण ने ईरानी अवाम को मुसीबातें और दमन के बावजूद इस्लामी सत्ता के पक्ष में एकजुट कर दिया। ये ही वे सन्दर्भ हैं, जिनके चलते ट्रंप ने पहले तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगान को टटोला। बात बनी नहीं तो उनकी नजर पाकिस्तान के सीडीसी मुनीर पर गयी। मुनीर ने एर्देगान से बात की और फिर तार जुड़े काहिरा यानि मिस्र से। सौ करोड़ डॉलर की बोली लगी। हामी के बाद ईरानी मजलिस के स्पीकर गालीबफ पर मध्यस्थों की नजर गयी। इस बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपने तईं सक्रिय थे1 उन्होंने यूएई, कतर और ईरान से संपर्क साधा। दूरभाष पर मैराथन चर्चा हुई। पुतिन ने स्पष्ट कर दिया कि रूस ईरान को तबाही के रास्ते पर नहीं छोड़ सकता, क्योंकि वह उसका रणनीति साथी और मित्र है। इस बीच रूसी विदेश मंत्री सेर्गेई लावरोव के इस आशय के बयान ने अमेरिका–इस्रायल की पेशानी पर सलें डाल दीं कि वे ईरान की मिसाइल समेत सामरिक क्षमता को कमतर न आंके। इस बात की तस्दीक हो गई है कि लावरोव ने ईरानी विदेश मंत्री अरागाची से फोन पर लंबी बातचीत की। बहरहाल, घड़ी के कांटे ऐसे घूमे कि आईआरजीसी की रजामंदी से गालीबफ को इस्लामाबाद लाया गया। ताबड़तोड़ दो दौर की बातचीत हुई। मेज के दूसरी ओर ट्रंप के दामाद कुश्नर और विटकोफ बैठे तो गालीबफ भड़क गये। उन्होंने दोनों को दफा करने की दो टूक में संकोचनहीं किया। उन्होंने आगे की वार्ता के लिए वांस का नाम सुझाया। वांस यानि ट्रंप के डिप्टी जेडी वांस। जाहिर हे कि तेल अवीव और वाशिंगटन को वांस का नाम रास नहीं आया, क्योंकि वांस अपेक्षतरू नरम हैं। फिलवक्त काठ की हांडी चूल्हे पर है और अमेरिकी तैयारी भी जारी है। अतिरिक्त मरीन भेजे जा रहे हैं। ईरानी विदेश मंत्री अरागाची को दरकिनार करने के अपने निहितार्थ है।

चुनाव तक तेल की राहत–नीति या राजनीति

सौरभ वार्ष्णेय

देश में पेट्रोल–डीजल की कीमतों में हालिया राहत ने आम जनता को कुछ हद तक राहत दी है। खासकर जब पांच राज्यों में चुनाव नजदीक हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह राहत दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का हिस्सा है या फिर चुनावी राजनीति की एक सोची–समझी चाल। जहां दूसरे देशों में तेल की कीमतों में आग लगी हुई हैं। ऐसे में भारत जैसे देश में राहत कब तक ? यानी आप यह न समझें महंगाई काबू है। महंगाई धीरे धीरे बढ़ रही है। भारत में ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों, टैक्स ढांचे और सरकारी नीतियों पर निर्भर करती हैं। जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव होता है, तो उसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सरकार द्वारा टैक्स में कटौती या कंपनियों को कीमतें स्थिर रखने के निर्देश देना, तत्काल राहत तो देता है, लेकिन इसके पीछे की मंशा पर बहस होना भी स्वाभाविक है।चुनाव के समय अक्सर सरकारें जनहित में फैसले लेती हैं, लेकिन इन फैसलों का समय उन्हें राजनीतिक रंग दे देता है। तेल की कीमतों में कमी से महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलती है, परिवहन लागत घटती है और इसका सकारात्मक असर रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों पर भी पड़ता है। इससे मतदाताओं के बीच सरकार की छवि मजबूत होती है।हालांकि, सवाल यह भी है कि क्या यह राहत स्थायी है? चुनाव खत्म होने के बाद क्या फिर से कीमतों में बढ़ोतरी होगी? यदि ऐसा होता है, तो यह साफ संकेत होगा कि यह कदम केवल चुनावी लाभ के लिए उठाया गया था। दूसरी ओर, यदि सरकार लंबे समय तक संतुलित कीमतें बनाए रखती है, तो इसे एक ठोस आर्थिक नीति कहा जा सकता है। देश की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है। वह केवल तात्कालिक राहत से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि स्थायी समाधान चाहती है। सरकार के लिए चुनौती यही है कि वह चुनावी लाभ से ऊपर उठकर ऐसी नीतियां बनाए, जो दीर्घकाल में आर्थिक स्थिरता और जनकल्याण दोनों सुनिश्चित करें। तेल की कीमतों में यह राहत चाहे जिस भी कारण से आई हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि जनता अब केवल राहत नहीं, बल्कि पारदर्शिता और स्थायित्व की अपेक्षा रखती है। देश में जब–जब चुनावी मौसम आता है, तब–तब महंगाई का मुद्दा भी नई धार के साथ सामने खड़ा हो जाता है। इस समय पाँच राज्यों में चुनावी हलचल के बीच आम जनता की सबसे बड़ी चिंताकृमहंगाईकृफिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में है। रसोई गैस से लेकर पेट्रोल–डीजल और रोजमर्रा की वस्तुओं तक, हर चीज की कीमतों ने आम आदमी के बजट को झकझोर कर रख दिया है। चुनावों के दौरान अक्सर सरकारें राहत के कुछ कदम उठाती हैंकृकभी ईंधन के दामों में अस्थायी कमी, तो कभी सब्सिडी या योजनाओं का ऐलान। लेकिन यह राहत अक्सर चुनाव तक ही सीमित रहती है। सवाल यह है कि क्या महंगाई केवल चुनावी मुद्दा बनकर रह जाएगी, या इसके स्थायी समाधान की दिशा में ठोस प्रयास होंगे?विपक्ष महंगाई को सरकार की विफलता बताकर जनता के बीच जा रहा है, तो सत्तापक्ष वैश्विक कारणोंकृजैसे कच्चे तेल की कीमतें, अंतरराष्ट्रीय संकटकृका हवाला देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश करता है। सच यह है कि महंगाई पर दोनों ही पक्षों की राजनीति के बीच आम आदमी कहीं दब जाता है। महंगाई का सीधा असर मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर पड़ता है। बढ़ती कीमतों के कारण न केवल उनकी क्रय शक्ति घटती है, बल्कि जीवन स्तर पर भी असर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जहाँ आय के साधन सीमित हैं। जरूरत इस बात की है कि सरकारें अल्पकालिक राहत के बजाय दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान दें। कृषि क्षेत्र को मजबूत करना, आपूर्ति श्रृंखला को सुधारना और रोजगार के अवसर बढ़ानाकृये कुछ ऐसे कदम हैं जो महंगाई पर काबू पाने में सहायक हो सकते हैं। देश में चुनावी राजनीति से ऊपर उठकर महंगाई जैसे गंभीर मुद्दे पर सर्वदलीय सहमति बनानी होगी। क्योंकि यह केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ा सवाल है। चुनाव आते–जाते रहेंगे, लेकिन महंगाई पर स्थायी नियंत्रण ही असली राजनीतिक सफलता का पैमाना होना चाहिए। देश में पाँच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता और जनता की अपेक्षाओं का प्रतिबिंब भी हैं। यह चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब महंगाई, बेरोजगारी, विकास और सुशासन जैसे मुद्दे आम नागरिक के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। चुनावी माहौल में सभी राजनीतिक दल अपनी–अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में हैं। सत्ताधारी दल अपनी उपलब्धियों को गिनाकर जनता से पुनरू विश्वास मांग रहा है, वहीं विपक्ष सरकार की नीतियों और कमियों को उजागर कर विकल्प प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है। चुनावी भाषणों में वादों की भरमार है, लेकिन असली सवाल यह है कि इन वादों का जमीनी हकीकत से कितना संबंध है। महंगाई आज सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभरी है। रोजमर्रा की वस्तुओं के बढ़ते दाम ने आम आदमी की जेब पर भारी बोझ डाला है। ऐसे में मतदाता यह देख रहा है कि कौन–सी सरकार उसे राहत देने में सक्षम है। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, किसानों की आय और बुनियादी सुविधाओं का विकास भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। इन चुनावों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इनके परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यह चुनाव आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक संकेत भी होंगे कि जनता का रुझान किस ओर है। हालांकि, चुनाव केवल मुद्दों और वादों तक सीमित नहीं रहने चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि मतदाता जाति, धर्म और क्षेत्रीय भावनाओं से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। एक जागरूक और जिम्मेदार मतदाता ही देश के भविष्य को सही दिशा दे सकता है। पाँच राज्यों के ये चुनाव लोकतंत्र का उत्सव हैं, जहां जनता ही असली निर्णायक होती है। अब यह मतदाताओं पर निर्भर है कि वे किसे अपना विश्वास सौंपते हैं और किसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाते हैं।ऐसे में अगर महंगाई काबू रहे तो अर्थ के लिए अच्छा है। लेकिन यह सब जातने है कि यह चुनाव वाद महंगाई बढनी तय है।

वरिष्ठ लोकतंत्र सेनानी शालीग्राम नहीं रहे, क्षेत्र में दौड़ी शोक की लहर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के वरिष्ठ लोकतंत्र सेनानी शालीग्राम मिश्र का 31 मार्च 2026 को 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। लोकतंत्र सेनानियों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री मिश्र लोकतंत्र सेनानी के रूप में अपने संघर्षशील जीवन और सामाजिक योगदान के लिए जाने जाते थे। उनके निधन को लोकतंत्र सेनानी समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। लोकतंत्र सेनानी संघ जौनपुर के जिलाध्यक्ष श्री लालचंद मौर्य ने बताया कि उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव चौंधि में किया जायेगा। उन्होंने सभी लोकतंत्र सेनानियों एवं शुभचिंतकों से अपील किया कि वे उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करें और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें। अंतिम यात्रा के दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे जिन्होंने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

चुनावी रंजिश में युवक पर हमला पेट में चाकू घोंपा, हालत गंभीर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खेतासराय थाना क्षेत्र के अमरेथुवा गांव में चुनावी रंजिश के चलते एक युवक पर बुधवार देर रात हमला किया गया है। हमले में युवक के पेट में चाकू घोंपा गया, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अमरेथुवा निवासी संदीप राजभर (38)पुत्र डॉ. राम आधार पर कुछ अज्ञात लोगों ने अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने संदीप के पेट में चाकू मार दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल संदीप को मदद पहुंचाई और उसे आनन–फानन में जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल में संदीप का इलाज जारी है।चिकित्सकों ने बताया कि युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उसके पेट में चाकू फंसा होने के कारण हालत चिंताजनक है।वही इस मामले में गुरुवार को जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार सिंह ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।युवक की हालत गंभीर है।अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

8 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की कैद 20500 लगा जुर्माना

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय उमेश कुमार की अदालत ने 8 वर्षीय बालिका से दुष्कर्म करने के आरोपी युवक को बुधवार को 20 वर्ष के सश्रम करावास व 20500 रूपए जुर्माने से दंडित किया। शाशकीय अधिवक्तता के कथानक के अनुसार वाराणसी के सिगरा थाना क्षेत्र निवासी वादिनी ने सरायख्वाजा थाने में मुकदमा पंजीकृत करवाया कि वह अपनी 8 वर्षीय पुत्री के साथ सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र में अपने रिश्तेदारी में दिनांक 14.6.2020 को शादी में शामिल होने के लिए आई थी जहां उसके तलाकशुदा पति व उनके भाई की साजिश में आकर राजू अग्रहरि ने उसकी 8 वर्षीया बेटी के साथ बलात्कार किया। जिसकी शिकायत करने पर उसके पति ने आरोपी को भगा दिया और वादिनी को मारा पीटा। पुलिस ने विवेचना करके आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार उपाध्याय व कमलेश राय के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध है साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने दुष्कर्म के आरोपी राजू अग्रहरि को दोषसिद्ध पाते हुए उक्त दंड से दंडित किया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में 'यूपी प्रमाण' पोर्टल लॉन्च, प्रशासनिक प्रक्रियाएं हुई ऑनलाइन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रशासनिक कार्यों को पारदर्शी और सरल बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 'यूपी प्रमाण' पोर्टल की शुरुआत कर दी गई है। इस पोर्टल के माध्यम से विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध सभी अनुदानित व स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों की प्रशासनिक प्रक्रियाएं अब पूरी तरह ऑनलाइन संचालित होंगी। नई व्यवस्था के तहत शिक्षक अनुमोदन, नियुक्तियां, स्थायी एवं अस्थायी मान्यता, पाठ्यक्रम स्वीकृति, संबद्धता, निरीक्षण रिपोर्ट और मान्यता नवीनीकरण से संबंधित सभी फाइलें पोर्टल पर अपलोड की जाएंगी। प्रत्येक आवेदन को एक यूनिक ट्रैकिंग कोड प्रदान किया जाएगा, जिससे महाविद्यालय अपने आवेदन की स्थिति रियल टाइम में देख सकेंगे। पोर्टल पर यह भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा कि संबंधित फाइल किस अधिकारी के पास लंबित है, किस स्तर पर विचाराधीन है और उसके निस्तारण की समय–सीमा क्या है। इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि कार्यों में जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुलपति और कुलसचिव स्तर पर एक विशेष मॉनिटरिंग डैशबोर्ड भी तैयार किया है। इस डैशबोर्ड के जरिए लंबित मामलों की संख्या, औसत निस्तारण समय और विभिन्न विभागों की कार्यप्रगति की निगरानी की जाएगी। इससे देरी की स्थिति में जिम्मेदारी तय करना आसान होगा। महाविद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपनी सभी आवश्यक सूचनाएं, दस्तावेज और प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में पोर्टल पर अपलोड करें। निरीक्षण रिपोर्ट अपलोड होते ही उसकी प्रति संबंधित कॉलेज को स्वतः उपलब्ध

हो जाएगी। पहले चरण में शिक्षक अनुमोदन और नियुक्तियों को पोर्टल से जोड़ा गया है। आगामी चरणों में पाठ्यक्रम विस्तार, परीक्षा केंद्र निर्धारण और अन्य प्रशासनिक कार्यों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। इस संबंध में गुरुवार को हिंदुस्थान समाचार प्रतिनिधि से दूरभाष पर बात करते हुए कुलसचिव केशलाल ने बताया कि पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जौनपुर और गाजीपुर के सभी संबद्ध महाविद्यालयों को परिपत्र जारी कर दिया गया है। अब सभी संस्थानों को अपने प्रस्ताव और अभिलेख ऑनलाइन माध्यम से ही प्रस्तुत करने होंगे।

यूपी बोर्ड मूल्यांकन में जलपान बजट में हेराफेरी का आरोप, जांच के आदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के दौरान जलपान बजट में कथित हेराफेरी का मामला सामने आने से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) की शिकायत के बाद जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य कोषाधिकारी को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं, माध्यमिक शिक्षा परिषद के अपर सचिव के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) डॉ. राकेश कुमार ने भी तीन सदस्यीय जांच टीम गठित की है। इस टीम में एडीआईओएस राजेश कुमार यादव, अभिषेक कुमार सिंह और एक वित्त एवं लेखाधिकारी को शामिल किया गया है। टीम को दो दिन के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। डीआईओएस ने सभी उपनियंत्रकों से तीन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा है। इसमें मूल्यांकन कार्य में लगे परीक्षकों की तिथिवार उपस्थिति, जलपान व्यवस्था का तिथिवार विवरण तथा इस पर हुए खर्च की पूरी रिपोर्ट शामिल है। इस संबंध शिक्षक नेताओं ने 30 मार्च को जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह से मुलाकात कर इस मामले की शिकायत की थी। उनका आरोप है कि मूल्यांकन केंद्रों पर जलपान और शुद्ध पेयजल के नाम पर महज 12 दिनों के भीतर करीब 12 लाख रुपये की हेराफेरी की गई है। इस संबंध में शुक्रवार को जानकारी लेने पर डीआईओएस डॉ. राकेश कुमार ने स्पष्ट कहा कि शासन के निर्देशों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जांच में जलपान बजट के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने दो दिन के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने की बात दोहराई है।

अवध विश्वविद्यालय की सीईटी–2024 प्रवेश परीक्षा 18 अप्रैल को

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय सीईटी– 2024 पी–एचडी की प्रवेश परीक्षा संभावित तिथि दिनांक 18 अप्रैल 2026 घोषित की गई है। इस प्रवेश परीक्षा में लगभग 1600 से अधिक परीक्षार्थी सम्मिलित होगे। इसमें अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों ने भी आवेदन किया है।कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में आयोजित होने वाली सीईटी 2024 प्रवेश परीक्षा के प्रथम चरण की तैयारी पूर्ण कर ली गई हैं। परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि सीईटी 2024 प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। शुचितापूर्ण एवं पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था संपन्न कराए जाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. फर्रुख जमाल ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के 48 घंटे बाद आंसर की विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। प्रश्न संशय समाधान के लिए विश्वविद्यालय द्वारा ईमेल आईडी उपलब्ध कराई जाएगी। परीक्षार्थी प्रश्न संशय समाधान के लिए मेल कर सकते हैं उसके उपरांत ही उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। सीईटी प्रवेश परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र ऑनलाइन 10 अप्रैल से डाउनलोड किया जा सकता है।परीक्षा समन्वयक के अनुसार सफल परीक्षार्थियों की मौखिकी परीक्षा कराई जाएगी। जिन अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट दी गई है उन्हें सीधे मौखिक परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सभी शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ निर्धारित तिथि को अवश्य उपस्थित होना होगा।मौखिक परीक्षा के लिए स्थान एवं तिथि विश्वविद्यालय वेबसाइट पर जारी करेगा।

बाल कृष्ण की मनमोहक लीलाओं से गूंजा कथा पंडाल, श्रद्धा और भक्ति में डूबे सैकड़ों श्रद्धालु

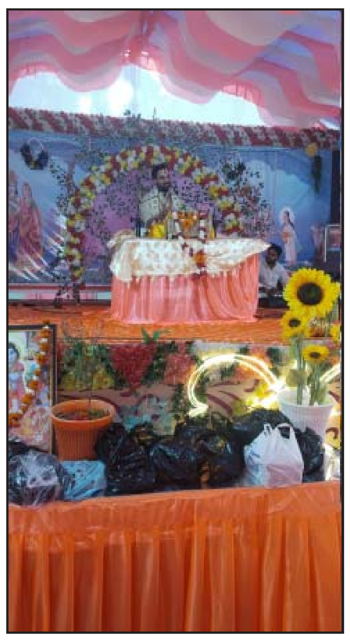

सुल्तानपुर।

बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पूरे तुलसीराम तिवारी गांव में चल रही सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिवस का आयोजन अत्यंत भक्ति और श्रद्धा के माहौल में सम्पन्न हुआ। कथा के दौरान बाल कृष्ण की लीलाओं का ऐसा भावपूर्ण वर्णन किया गया कि पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव–विभोर हो उठे और पूरा वातावरण "राधे–राधे" व "जय श्री कृष्ण" के जयघोष से गूंज उठा। अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक श्री शिवेश शास्त्री जी महाराज ने अपनी ओजस्वी वाणी में भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनमोहक वर्णन करते हुए बताया कि भगवान की बाल लीलाएं केवल कथा नहीं बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि नटखट बालक कृष्ण की माखन चोरी, ग्वाल–बालों के साथ की गई शरारतें और माता यशोदा का वात्सल्य प्रेम हर भक्त के हृदय को भक्ति रस से भर देता है। कथा के दौरान जब श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन हुआ तो कई श्रद्धालु भावुक हो उठे। भक्तों ने भजन–कीर्तन के साथ भगवान श्रीकृष्ण का गुणगान किया और पूरे पंडाल में भक्तिमय वातावरण बन गया। कथा स्थल पर दूर–दूर से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जिससे पूरा क्षेत्र धर्ममय हो उठा। इस पावन आयोजन के मुख्य यजमान श्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी व श्रीमती मोती देवी हैं, जिनके सान्निध्य में यह सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा बड़े ही श्रद्धा भाव से संपन्न हो रही है। इस अवसर पर अमरनाथ तिवारी, राम जीत तिवारी, रूप नारायण तिवारी, वीरेंद्र तिवारी, घनश्याम तिवारी, राम लोचन तिवारी, अम्बिका प्रसाद तिवारी, प्रवीण तिवारी, कलेश दुबे, विशाल जायसवाल, देवी तिवारी ,शेष नारायण पाठक, रामदीन तिवारी,के.एन. शुक्ला, सिद्धनाथ तिवारी, करुणा शंकर तिवारी, बैकुंठ तिवारी, राजीव तिवारी,सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के अंत में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों के साथ आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्र में सुख–समृद्धि की कामना की। पूरे गांव में भक्ति, आस्था और आध्यात्मिक उत्साह का अद्भुत माहौल देखने को मिला।

कार्यालय ग्राम पंचायत सैदपुर, विकास खण्ड–सिकरारा, जौनपुर

पत्रांक– मेमो / ग्रा0पं0वि0 / दिनांक – 01.04.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त / 16 वां केन्द्रीय वित्त आयोग / ग्राम स्वराज अभियान / मनरेगा / स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 02.04.2026 से 09.04.2026 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 10.04.2026 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष प्रातः 11:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर मान्य होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी / एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम. / 42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर / एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्र्स ब्लाक ईट / इण्टरलाकिंग ईट / जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट / विद्युत सामग्री / स्ट्रीट लाईट / हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री / पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट / सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल / प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री / इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री / रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड / पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति / निर्माण समिति में चिहि्नत होगा।

प्रधान
ब्रहम दत्त गिरि

ग्राम विकास अधिकारी
अखिलेश सरोज

कार्यालय ग्राम पंचायत राजेपुर, विकास खण्ड–धर्मापुर, जौनपुर

पत्रांक– मेमो / ग्रा0पं0वि0 / दिनांक – 01.04.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2026–27 में ग्राम पंचायत द्वारा राज्य वित्त / 16 वां केन्द्रीय वित्त आयोग / ग्राम स्वराज अभियान / मनरेगा / स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजनान्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्निलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 02.04.2026 से 09.04.2026 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपराह्न दो बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबन्द निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 10.04.2026 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष प्रातः 11:00 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर मान्य होगी।

क्र0सं0	परियोजना का नाम	मात्रा	दर
1	ईंट 150 एम0एम0 प्रथम श्रेणी / एस.ओ.बी. ईट	प्रति हजार	
2	सीमेंट	प्रति बैग	
3	मोरंग बालू, महीन बालू, गंगा बालू	प्रति घन मी0	
4	स्टोन ब्लास्ट, डाला गिट्टी, पत्थर गिट्टी 20 एम.एम. से 53 एम.एम. तक ईट गिट्टी 20 एम.एम. / 42एम.एम.	प्रति घन मी0	
5	सरिया विभिन्न साइज	प्रति कुन्तल	
6	करकर / एसबेस्टर सीट,पैनल आयरन, समरसेबुल, बोरिंग प्लेटफार्म सहित	प्रति नग	
7	पैक्र्स ब्लाक ईट / इण्टरलाकिंग ईट / जागजेडा इण्टरलाकिंग ईट	प्रति हजार	
8	सोलर लाईट / विद्युत सामग्री / स्ट्रीट लाईट / हाइमास्क सोलर लाईट	प्रति नग	
9	शौचालय निर्माण सामग्री / पंचायत भवन निर्माण सामग्री		
10	ह्यूम पाइप 150एम.एम. 300एम.एम. 350एम.एम. 600एम.एम. 800एम.एम. NP3	प्रति मी0	
11	ढ़क्कनदार नाली निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री आवश्यकतानुसार		
12	गिट्टी की भराई, समतलीकरण का कार्य	प्रति घन मी0	
13	सफाईकर्मी स्वच्छता किट / सेनेटाइजर,डस्टबीन सहित अन्य संबंधित सामग्री	प्रति नग	
14	कटीला तार एवं ईगल / प्रिकास्ट कंकरीट बेंच	प्रति नग	
15	जिम से संबंधित सामग्री / इण्डिया मार्क–2 हैण्डपम्प मरम्मत सामग्री / रिबोर	प्रति नग	
16	मैदान के सुन्दरीकरण हेतु घास	प्रति धन मी0	
17	चूना, पेन्ट इत्यादि	प्रति नग	
18	वाल पेटिंग व प्रचार–प्रसार	प्रति वर्ग मी0	
19	विडियो कैमरा, दिशासूचक बोर्ड / पब्लिक अड्रेस सिस्टम,स्कूल के लिए डेक्स व बेंच।	प्रति नग	
20	गौशाला में चूना–चोकर, भूसा, मनरेगा पार्क में खेलकूद, जिम, झूला व अन्य सामग्री।		
21	हैण्डपम्प की निष्प्रयोज्य सामग्री की खुली नीलामी		

प्रतिबन्ध एवं शर्तें– सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के बाद निर्धारित की जायेगी। आवश्यकतानुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नहीं। सामग्री की मात्रा घटायी या बढ़ायी जा सकती है। सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत की परिधि से स्वीकृत दर निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा 50 रू0 के स्टाम्प पेपर पर बॉण्ड भरना अनिवार्य होगा तदोपरान्त आपूर्ति किया जायेगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता का सेल टैक्स विभाग में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तथा आयकरदाता हो प्रमाणित छायाप्रति संलग्न की जाय। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. के स्वीकृत दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्ति ग्राम पंचायत के आदेशानुसार निर्धारित समय सीमा में की जानी अनिवार्य होगी। सामग्री की गुणवत्ता मानक के अनुरूप नहीं पाये जाने की दशा में भुगतान की धनराशि नियमानुसार कटौती कर ली जायेगी। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति / निर्माण समिति में चिहि्नत होगा।

प्रधान
मनोरमा सिह

ग्राम पंचायत अधिकारी / ग्राम सचिव
अखिलेश कुमार

शिक्षा ही मानवीय गुणों के विकास की चाभी है– बागी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।शिक्षा मनुष्य में मानवीय गुना को विकसित करके उसे इंसान बनाने का कार्य करती है।उक्त उद्गार व्यक्त किया अयोध्या नागरिक मंच के संयोजक एस0 एन0 बागी ने जनता अवध उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लक्ष्मणघाट अयोध्या धाम के सभागार में आयोजित परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरण समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा।उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य का सर्वांगीण विकास करके उसे एक इंसान बनाने का कार्य करती है।शिक्षा का उद्देश्य मात्र धन कमाना नहीं है बल्कि शिक्षा प्राप्त करके एक संस्कार युक्त,ज्ञानवान, नेक मनुष्य बनना होना चाहिए।इस समारोह की अध्यक्षता संस्कृत महाविद्यालय रामकोट के आचार्य सूर्यकांत मिश्र ने की।अयोध्या

या नगरी के सम्भ्रांत नागरिक रामसूरत पाठक, अभिभावक गम्मी यादव विद्यालय के प्रधानाचार्य रामेंद्र मोहन मिश्र,शिक्षक हिमांशु श्रीवास्तव, अंशिका सिंह, अभिनव पांडे आदित्य सिंह सहित सभी शिक्षक–कर्मचारी और भारी संख्या में महिला व पुरुष अभिभावक और विद्यार्थी मौजूद रहे। विद्यालय में कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 11 तक के लगभग 40 मेधावी छात्र– छात्राओं को मुख्य अतिथि व समारोह के अध्यक्ष के हाथों परीक्षाफल व पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया।समारोह का सफल संचालन शिक्षक आदित्य सिंह ने किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेन्द्र मोहन मिश्र ने अतिथियों व अभिभावकों के आभार व्यक्त करते हुए बताया कि विद्यालय में सभी आवश्यक संसाधन जुटाए जा रहे हैं जिससे बच्चों को अच्छी से अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा सके। इस सत्र से इंग्लिश मीडियम की कक्षाओं भी विद्यालय में शुरू कराई जा रही हैं । किसी भी विद्यालय के उत्थान में वहां अध्ययन करने वाले बच्चों के अभिभावकों का विशेष योगदान रहता है।बिना उनके सहयोग के कोई भी विद्यालय प्रगति की ओर नहीं बढ़ सकता।उन्होंने अभिभावकों से पूर्व की भांति अपना अमूल्य सहयोग करते रहने की अपील की।

सब पढ़ें सब बढ़ें की गूंज से जागा गांव, स्कूल चलो अभियान के तहत निकली जागरूकता रैली

ब्यूरो चीफ .. आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर । शिक्षा क्षेत्र बल्दीराय के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय बल्दीराय तथा प्राथमिक विद्यालय पूरे फत्ते भरसैयां में स्कूल चलो अभियान और अभिभावक संपर्क अभियान के तहत जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। इस दौरान संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों और शिक्षकों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की शपथ भी दिलाई गई। कंपोजिट विद्यालय बल्दीराय में निकाली गई रैली का नेतृत्व प्रभारी प्रधानाध्यापक अर्चना द्विवेदी ने किया,

जबकि प्राथमिक विद्यालय पूरे फत्ते भरसैयां में रैली का नेतृत्व प्रधानाध्यापक शिवा जी यादव ने किया। रैली विद्यालय परिसर से प्रारम्भ होकर गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए गुजरी। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने हाथों में तख्तियां लेकर "सब पढ़ेंदृसब बढ़ें", "आओ स्कूल चलें", "शिक्षा है उज्ज्वल भविष्य की कुंजी" जैसे प्रेरणादायक नारे लगाकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। रैली के दौरान शिक्षकों ने गांव में घर–घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया और अपने बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराने तथा उन्हें नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को सरकार द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, ड्रेस, मध्यान्ह भोजन, जूते–मोजे सहित कई सुविधाएं दी जा रही हैं, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इस अवसर पर सहायक अध्यापक श्रीमती अंजलि विश्वकर्मा, अवध राज, सत्येंद्र श्रीवास्तव, विपिन कुमार, मृदुल शर्मा तथा शिक्षामित्र स्नेह लता सिंह, धनञ्जय सिंह, शिव कुमार वर्मा, नामिता द्विवेदी और रीना देवी सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और अधिक से अधिक बच्चों का नामांकन कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करें।

लहरापुर के लाल सत्यम तिवारी बने नायब तहसीलदार, पूरे गाँव में जश्न का माहौल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जिले के तहसील सोहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत लहरापुर के निवासी सत्यम तिवारी, पुत्र संतोष तिवारी ने यूपी पीसीएस परीक्षा–2024 में 36वीं रैंक प्राप्त कर नायब तहसीलदार पद हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। जैसे ही सत्यम तिवारी की सफलता की खबर गाँव पहुंची, पूरे लहरापुर में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्राम वासियों ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर मिठाइयाँ बांटी, पटाखे जलाकर खुशी का इजहार किया तथा सत्यम तिवारी का आरती उतारकर और फूल–मालाओं से भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने इसे पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण बताया।इस अवसर पर पहुंचे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह अनूप ने सत्यम तिवारी को गुलदस्ता भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सत्यम की सफलता केवल एक परिवार की नहीं बल्कि पूरे समाज की प्रेरणा है।उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि माता–पिता सकारात्मक सोच के साथ बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करें, क्योंकि पढ़े–लिखे युवा ही देश को आगे बढ़ाते हैं और समाज को नई दिशा देते हैं।उन्होंने सत्यम तिवारी के माता–पिता का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सही मार्गदर्शन से ही ऐसी उपलब्धियाँ हासिल होती हैं। सत्यम की सफलता से क्षेत्र के युवाओं को यह प्रेरणा मिलेगी कि लगन और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, ग्रामीण एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने सत्यम तिवारी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्मार्ट मीटर लगाए जाने एवं पोस्टपेड कनेक्शन को बिना सहमति प्रीपेड में परिवर्तित करने पर कांग्रेस पार्टी ने किया विरोध

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद में विद्युत विभाग द्वारा जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने एवं पोस्टपेड कनेक्शन को बिना सहमति प्रीपेड में परिवर्तित किए जाने तथा बिना पूर्व सूचना के विद्युत कनेक्शन काटे जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।इस संबंध में मुख्य अभियंता, विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपकर जनहित में आवश्यक कार्यवाही की मांग की गई है।जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि उपभोक्ताओं की अनुमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जो पूर्णतः अनुचित है। साथ ही, पोस्टपेड कनेक्शन को जबरन प्रीपेड में बदल दिया गया है, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में स्थिति यह है कि मात्र 50 पैसे बैलेंस कम होने पर भी उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन तत्काल काट दिया जा रहा है, जिससे परिवारों में असुविधा एवं असुरक्षा का माहौल बन रहा है।

उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग की यह तानाशाही नीति बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। बिना सहमति के स्मार्ट मीटर लगाना और कनेक्शन बदलना जनता के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस पार्टी आम जनता के साथ खड़ी है और जरूरत पड़ी तो आंदोलन किया जाएगा।"महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा किउपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर सही रूप से अपडेट नहीं हैं, जिससे उन्हें पूर्व सूचना प्राप्त नहीं हो पाती। अतः सभी उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर अपडेट करने के बाद ही इस व्यवस्था को लागू किया जाए। प्रीपेड अथवा पोस्टपेड कनेक्शन का चयन करना उपभोक्ता का अधिकार है, न कि विद्युत विभाग का। विभाग द्वारा इस प्रकार का निर्णय थोपना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है।पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह तथा पीसीसी सदस्य राम अवध पासी ने कहा कि उपभोक्ताओं को डिजिटल भुगतान (न्च्प् आदि) का ज्ञान नहीं है, उन्हें बिल जमा करने में कठिनाई हो रही है। अतः कम से कम द्द1000 तक का नेगेटिव बैलेंस होने के बाद ही कनेक्शन काटा जाए तथा कनेक्शन काटने से पहले 15 दिन का लिखित नोटिस देना अनिवार्य किया जाए।जिला प्रवक्ता शीतला पाठक के अनुसार ज्ञापन देते समय प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, पूर्व पार्षद जनार्दन मिश्रा, सेवादल जिला अध्यक्ष फ्लावर नकवी,सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा डॉक्टर विनोद गुप्ता, उमेश उपाध्याय, राम अवध पासी, जिओ हैदर, विवेक प्रताप शर्मा, कल्लू शर्मा, मोहम्मद आरिफ, अशोक कुमार राय, देव कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

अयोध्या जनपद में विद्युत विभाग द्वारा जबरन स्मार्ट मीटर लगाए जाने एवं पोस्टपेड कनेक्शन को बिना सहमति प्रीपेड में परिवर्तित किए जाने तथा बिना पूर्व सूचना के विद्युत कनेक्शन काटे जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस संबंध में मुख्य अभियंता, विद्युत विभाग को ज्ञापन सौंपकर जनहित में आवश्यक कार्यवाही की मांग की गई है।जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि उपभोक्ताओं की अनुमति के बिना स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, जो पूर्णतः अनुचित है। साथ ही, पोस्टपेड कनेक्शन को जबरन प्रीपेड में बदल दिया गया है, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में स्थिति यह है कि मात्र 50 पैसे बैलेंस कम होने पर भी उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन तत्काल काट दिया जा रहा है, जिससे परिवारों में असुविधा एवं असुरक्षा का माहौल बन रहा है।उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग की यह तानाशाही नीति बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है। बिना सहमति के स्मार्ट मीटर लगाना और कनेक्शन बदलना जनता के अधिकारों का हनन है। कांग्रेस पार्टी आम जनता के साथ खड़ी है और जरूरत पड़ी तो आंदोलन किया जाएगा।" महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा किउपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर सही रूप से अपडेट नहीं हैं, जिससे उन्हें पूर्व सूचना प्राप्त नहीं हो पाती। अतः सभी उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर अपडेट करने के बाद ही इस व्यवस्था को लागू किया जाए। प्रीपेड अथवा पोस्टपेड कनेक्शन का चयन करना उपभोक्ता का अधिकार है, न कि विद्युत विभाग का। विभाग द्वारा इस प्रकार का निर्णय थोपना उपभोक्ता अधिकारों का उल्लंघन है।पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह तथा पीसीसी सदस्य राम अवध पासी ने कहा कि उपभोक्ताओं को डिजिटल भुगतान (UPI आदि) का ज्ञान नहीं है, उन्हें बिल जमा करने में कठिनाई हो रही है। अतः कम से कम द्द1000 तक का नेगेटिव बैलेंस होने के बाद ही कनेक्शन काटा जाए तथा कनेक्शन काटने से पहले 15 दिन का लिखित नोटिस देना अनिवार्य किया जाए।

जिला प्रवक्ता शीतला पाठक के अनुसार ज्ञापन देते समय प्रमुख रूप से पीसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, पूर्व पार्षद जनार्दन मिश्रा, सेवादल जिला अध्यक्ष फ्लावर नकवी,सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा डॉक्टर विनोद गुप्ता, उमेश उपाध्याय, राम अवध पासी, जिओ हैदर, विवेक प्रताप शर्मा, कल्लू शर्मा, मोहम्मद आरिफ, अशोक कुमार राय, देव कुमार वर्मा आदि मौजूद रहे।

प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें,केवल पाठ्य ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है खेल-कूद, संगीत भी जरूरी : डीएम'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जनपद स्तरीय स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ उच्च प्राथमिक विद्यालय शहबाजनगर विकास क्षेत्र ददरौल में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव एवं विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर तथा गुब्बारे उड़ा कर किया गया। स्कूल चलो अभियान एवं पुस्तक वितरण समारोह का शुभारंभ करते हुए ममता यादव ने सभी बच्चों को स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों का आवाहन किया उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक अपने बच्चों को स्कूल में प्रवेश कराए। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया । राज्य स्तर पर पीटी प्रतियोगिता में विजयी बच्चों ने जिलाधिकारी के समक्ष अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया । जिलाधिकारी ने सभी बच्चों की भूरि भूरि प्रशंसा भी की । मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष ने बच्चों से कहा कि अच्छे से पढ़ लिख कर अपना तथा अपने माता–पिता एवं देश का नाम रोशन करें। उन्होंने अभिभावको का आह्वान किया कि जनपद में 06 वर्ष का कोई बच्चा विद्यालय में नामांकन से छूटने न पाए। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि कड़ी लगन एवं मेहनत से छात्रों को शिक्षा देते हुए उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य करे। शिक्षक बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर देश के भविष्य उज्जवलकरें। उन्होंने कहा कि पढ़कर बच्चे अच्छे नागरिक बनकर आगे बढ़ेंगे तभी देश भी आगे बढ़ेगा। बच्चे पढ़े आगे बढ़े अपने लक्ष्य को प्राप्त करें और भविष्य में उन्हें किसी के ऊपर निर्भर न रहना पड़े। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम 'स्कूल चलो अभियान' एवं पुस्तक वितरण समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र का कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा सभी अभिभावकों और नागरिकों से अनुरोध है कि यदि उनके आसपास कोई बच्चा स्कूल नहीं जा रहा है, तो इसकी सूचना तुरंत विद्यालय या शिक्षकों को दें, ताकि प्रशासन और शिक्षा विभाग मिलकर उसकी समस्याओं का समाधान कर उसे शिक्षा से जोड़ सकें। आज के समय में शिक्षा का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है, जिसका उदाहरण हाल ही में घोषित यूपी पीसीएस परिणाम हैं, जहाँ शीर्ष 10 में से 6 स्थान लड़कियों ने प्राप्त किए। यह दर्शाता है कि सही मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर हमारे बच्चे, विशेषकर बेटियां, किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। इसलिए केवल नामांकन ही नहीं, बल्कि बच्चों की नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। कोई भी बच्चा स्कूल जाने से छूटना नहीं चाहिए। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी श्रीमद् गीता भागवत के श्लोक प्रतियोगिता का आयोजन विकास खंड स्तर पर 7 मई और जिला स्तर पर 14 मई को किया जाएगा, जिसमें कक्षा 1 से 5 तक के बच्चे भाग लेंगे और विजेताओं को 25,000, 20,000 एवं 15,000 रुपये तक के पुरस्कार दिए जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों को इसके लिए तैयार करें और उनकी प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। साथ ही यह भी कहा कि केवल पाठ्य ज्ञान ही पर्याप्त नहीं हैय खेल–कूद, संगीत, नृत्य, पेंटिंग और शतरंज जैसी गतिविधियाँ भी बच्चों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यदि किसी बच्चे में विशेष प्रतिभा पाई जाती है, तो प्रशासन द्वारा उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए विशेष कोच

और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि वे अपने कौशल को और निखार सकें और भविष्य में देश व समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता ने कहा कि 3 से 6 वर्ष के बच्चों का बाल वाटिका में तथा 6 वर्ष के बच्चों को कक्षा एक में प्रवेश दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। कमजोर वर्ग ककी बच्चियों को कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय में प्रवेश दिलाया जाए। अभिभावक बच्चों को निर्धारित समय पर पढ़ने के लिए विद्यालय भेजें। उन्होंने बताया कि जनपद लगातार प्रगति कर रहा है इस वर्ष निपुण विद्यालय आकलन में जनपद प्रदेश में तीसरे स्थान पर रहा । इंस्पायर अवार्ड योजना में आवेदन करने वालों में जनपद शाहजहांपुर पूरे भारत में सुपर 50 में स्थान पाया । उच्च प्राथमिक विद्यालय शहबाजनगर की टीम ने राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करके प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया । ग्राम प्रधान शहबाजनगर महेश चंद्र गौतम ने बताया कि इस ग्राम पंचायत में 15 विद्यालय संचालित हो रहे हैं । बच्चों की शिक्षा के बेहतर प्रयास किए गए हैं साथ ही ग्राम पंचायत में एक खेल का मैदान भी बनाया गया है । जिलाधिकारी ने पीटी में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों पवन , राजा , अरुण , विकांशु , विमल , सौरभ , जितिन , अतुल , रोहित आदि को पुरस्कृत किया। साथ ही जिलाधिकारी तथा जिला पंचायत के द्वारा बच्चों को पुस्तक वितरण किया गया। विद्यालय की बालिका साक्षी तथा क्रांति को राष्ट्रीय आय आधारित योग्यता में सफलता प्राप्त करने पर पुरस्कृत किया गया। विद्यालय की बालिका इरम , सोनी , सोनाली , उपासना , मुस्कान , काजल , अपेक्षा मोनी आदि बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी ददरौल सुरेंद्र कुमार मौर्य, जिला समन्वयक सामुदायिक सहभागिता सतीश कनौजिया, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा सोहन शुक्ला, एस. आर.जी. शाहजहांपुर डॉ अरुण कुमार गुप्ता, कस्तूरबा गांधी वार्डन मंजू गंगवार, आशीष, वासिफ अली, चमन आरा, नरगिस, नगमा, अर्शी, शबाना रहमान, राज कौर, महापारा, अनुराधा सक्सेना, गजाला परवीन, तबस्सुम बेगम, पंकज रस्तोगी, लालाराम तथा दपिन्दर कौर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में रविंद्र पाल प्रजापति ने सभी का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया मंच का संचालन श्री आदर्श श्रीवास्तव ने किया।

रामलला के दरबार में देश के प्रसिद्ध उद्योगपति और अडानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अडानी परिजनों सहित किया दर्शन पूजन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।देश के जाने–माने उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने गुरुवार को परिवार के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए।विधि–विधान से पूजा–अर्चना के बाद आरती की। पुजारी से तिलक लगवाया। प्रसाद ग्रहण किया।मंदिर का भ्रमण कर राम मंदिर निर्माण के बारे में जानकारी ली।गौतम अडाणी गुरुवार सुबह 8.30 बजे पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंचे।अहमदाबाद से 2 चार्टर्ड फ्लाइट्स से अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड हुए।एयरपोर्ट से सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। यहां उनका अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत किया।कुछ देर तक मंदिर में रहने के बाद बाहर आकर गौतम अडाणी ने कहा–मुझे और मेरे परिवार को अयोध्या में भगवान राम के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। यह एक भावुक पल है, एक गर्व का पल है। यह मंदिर न सिर्फ आस्था का केंद्र है, बल्कि भारत की संस्कृति, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। भगवान राम के आदर्श हमें सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। मैं प्रार्थना करता हूं कि भगवान राम का आशीर्वाद हम सभी पर बना रहे और हमारा देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।गौतम अडाणी ने अयोध्या के गुरुकुल महाविद्यालय में छात्रों से मुलाकात की। उन्हें सम्मानित किया। गुरुकुल की पुरानी और आधुनिक परंपरा के बारे जाना।उन्होंने कहा कि मैंने बच्चों

के साथ समय बिताया। गुरुकुल आज के युग में हमारी संस्कृति को जागृत रखने का काम कर रहा है। अडाणी फाउंडेशन ।ľ के इस दौर में इस गुरुकुल संस्कृति को संरक्षित करने में हर संभव सहयोग देगा।इसके बाद, गौतम अडाणी लखनऊ के लिए रवाना हो गए। यहां सीएम योगी से मुलाकात करेंगे। इससे पहले गौतम अडानी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या आए थे। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए थे।

दिनदहाड़े ज्वेलर्स की दुकान पर आई महिला ग्राहक 26 ग्राम सोना लेकर फरार, पुलिस जाँच मे जुटी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।जिले के कोठी मोहल्ला स्थित व्यस्त बाजार में बुधवार दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक नकाबपोश महिला ने महेश ज्वेलर्स की दुकान में घुसकर पहले जेवर देखी फिर जेवर लेकर दिनदहाड़े हुई फरार। इस वारदात से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है।दोपहर करीब दो बजे दुकान पर सामान्य रूप से ग्राहकों का आवागमन चल रहा था।इसी बीच चेहरा ढके एक महिला अचानक दुकान में दाखिल हुई और तमंचा निकालकर दुकानदार को आतंकित कर दिया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, महिला ने काउंटर में रखे करीब 26 ग्राम सोने के हार व चेन समेट लिए और तेजी से मौके से फरार हो गई। पूरी घटना कुछ ही पलों में घटित हो गई। घटना के बाद बाजार में अफरा–तफरी मच गई। आसपास के दुकानदार अपनी–अपनी दुकानों से बाहर निकल आए। व्यापारियों में इस घटना को लेकर गहरा रोष है। उनका कहना है कि दिनदहाड़े इस तरह की वारदात सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है।पुलिस की गश्त पर भी सवाल उठने लगे हैं।सूचना मिलते ही किला चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। दुकान व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।पुलिस ने महिला के हुलिए के आधार पर उसकी पहचान के प्रयास तेज कर दिए हैं। घटना के खुलासे के लिए पुलिस की टीमें सक्रिय कर दी गई हैं।किला चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी महिला की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

फ्यूचर पब्लिक स्कूल में अंकपत्र वितरण एवं विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। फ्यूचर पब्लिक स्कूल में अंकपत्र वितरण समारोह एवं विभिन्न विषयों पर आधारित विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।शैक्षणिक उपलब्धियों के अंतर्गत कुल 9 विद्यार्थियों ने विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान पर गुनगुन यादव, पीयूष एवं काव्या रहे। द्वितीय स्थान पर ऋचा यादव, चिन्मय त्रिपाठी एवं रिद्धिमा सिंह तथा तृतीय स्थान पर अगम्य पटेल एवं शिफा ने स्थान प्राप्त किया।विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक सोच का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 31 कार्यशील मॉडल प्रस्तुत किए। इनमें प्रमुख रूप से रेन वाटर हार्वेस्टिंग, रोबोट, यूकेरियोटिक सेल, ब्लड सर्कुलेशन, रिवर क्लीनिंग मॉडल, वाटर साइकिल, हाइड्रोलिक रोबोटिक आर्म, ऑटोमैटिक रोबोटिक कार, होलोग्राम, न्यू पार्लियामेंट हाउस तथा सोलर, विंड एवं हाइड्रोपावर से संबंधित मॉडल शामिल रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में सब इंस्पेक्टर रणजीत यादव, महिला मोर्चा महामंत्री प्रतिमा शुक्ल, पूर्व ग्राम प्रधान शिव शंकर मौर्य, जिला मंत्री भाजपा वीर सेन सिंह, अशोक सिंह, पुष्कर तिवारी, चंद्रशेखर तिवारी एवं प्रवीण सिंह उपस्थित रहे।सभी अतिथियों का स्वागत विद्यालय के संरक्षक पंचम कुमार तिवारी, डायरेक्टर अरुण त्रिपाठी एवं प्रबंधिका नेहा तिवारी द्वारा अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

डॉ आशीष श्रीवास्तव ने संभाला इंडियन मेडिकल एसोसिएशन का चार्ज

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।सिनर्जी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एंड कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा आईएमए के साथ संयुक्त रूप से सीएमआई का सफल आयोजन सिनर्जी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एंड कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन अयोध्या के सहयोग से एक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया।इस सीएमई का मुख्य विषय "ब्वउचतमीमदेपअम ब्दबमत ब्तम" रहा, जिसमें कैंसर उपचार की आधुनिक तकनीकों, विशेष रूप से एडवांस रेडिएशन टेक्नोलॉजी, तथा कैंसर से बचाव के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम मे आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव एवं सचिव डॉ. निशांक सक्सेना उपस्थित रहे।उन्होंने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को चिकित्सा क्षेत्र के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की।सिनर्जी हॉस्पिटल की ओर से डॉ. आलोक तिवारी (सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर), डॉ. सौरभ मिश्रा (मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट एवं डायरेक्टर – सीईओ) डॉ. अंजलि जैन (गाइनी ऑन्कोलॉजिस्ट एवं एडमिन डायरेक्टर) तथा डॉक्टर सी. पी. अवस्थी (रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट) ने कैंसर के समग्र उपचार, नई तकनीकों और रोगियों के बेहतर परिणामों पर अपने विचार साझा किए।इस अवसर पर सिनर्जी हॉस्पिटल के अन्य वरिष्ठ चिकित्सक भी उपस्थित रहे,जिनमें डॉ. विनीता सिंह, डॉ. तारिक अनवर, डॉ. विशाल मिश्रा, डॉ. अर्पित त्रिपाठी तथा प्रमोद दुबे प्रमुख रूप से शामिल थे।कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने कैंसर की शीघ्र पहचान, रोकथाम एवं आधुनिक उपचार पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला।साथ ही, जन–जागरूकता बढ़ाने और समय पर उपचार सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।